

समस्त स्नातक स्तर की कक्षाओं हेतु
अनिवार्य पाठ्यक्रम
तृतीय / चतुर्थ सत्र Semester III/IV

समय (Time) – 03 घंटे (Hours)
पूर्णांक -100
सत्रान्तपरीक्षा -70
आन्तरिकपरीक्षा – 30
Credit- 02

BKT-A301/A401 भारतीय ज्ञानपरम्परा

Bharteeya Jnanaparampara

प्रस्तावित पाठ्यक्रम (Prescribed Course)

घटक-1

- 1 वैदिक एवं लौकिक साहित्य का परिचय एवं उसका उद्देश्य (वैदिक साहित्य, आर्ष साहित्य एवं स्मृति साहित्य)
- 2 वैदिक प्रार्थनाएँ – गायत्री, भद्रप्राप्ति, शान्ति, संगठन, सौमनस्य एवं पञ्च महायज्ञ का सामान्य परिचय
- 3 ब्रह्मचर्य महिमा, वैदिक राष्ट्रभक्ति एवं शिवसंकल्प (ब्रह्मचर्य सूक्त- अथर्ववेद 11.5, पृथिवी सूक्त - अथर्ववेद 12.1, शिवसंकल्प सूक्त - यजुर्वेद 34.1-6 में वर्णित विषयवस्तु के आधार पर)

घटक-2

- 1 वैदिक कालीन सामाजिक एवं शिक्षा व्यवस्था
- 2 संस्कारों की जीवन में उपयोगिता
- 3 पुरुषार्थ चतुष्टय – धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष

घटक-3

- 1 त्रैतवाद – ईश्वर, जीव एवं प्रकृति का स्वरूप
- 2 कर्म एवं पुनर्जन्म सिद्धान्त (कर्म- निष्काम कर्मयोग एवं कर्मफल सिद्धान्त)

घटक-4

- 1 मानव जीवन के विकास में योग की महत्ता
- 2 अष्टांग योग– यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि

घटक-5

- 1 भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता : एक परिचय
- 2 महर्षि दयानन्द एवं स्वामी श्रद्धानन्द का व्यक्तित्व एवं कृतित्व
- 3 आर्य समाज की स्थापना, उद्देश्य एवं कार्य (सामाजिक जनजागरण, अछूतोंद्वारा, महिला शिक्षा, शुद्धि आन्दोलन, सामाजिक कुरीतियों का उन्मूलन, स्वतन्त्रता संग्राम में योगदान)

सहायक पुस्तकें –

- 1 वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, डॉ० कपिल देव द्विवेदी।
- 2 उपनिषद् दीपिका, डॉ० रामनाथ वेदालंकार।
- 3 वैदिकदर्शन, डॉ० कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
- 4 प्राचीन भारत तथा सामाजिक एवं आर्थिक इतिहास, डॉ० देवेन्द्र गुप्ता, भारतीय बुक कॉर्पोरेशन, नई दिल्ली।
- 5 योगदर्शन, स्वामी रामदेव, पतंजलि योगपीठ, हरिद्वार।
- 6 सत्यार्थ प्रकाश, स्वामी दयानन्द।
- 7 आर्यसमाज का इतिहास, डॉ० सत्यकेतु विद्यालंकार।
- 8 भारतीय नवजागरण के पुरोधा, डॉ० भवानी लाल भारतीय
- 9 संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ० कपिल देव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी